कोविड-19 के दौरान स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 1947 एक ऐसी तिथी है जिसे हमारे इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। एक ऐसा दिन जब हमारा देश आजाद हुआ, अंग्रेज भारत छोड़ने पर मजबुर हो गए और हमें दो सौ वर्ष की गुलामी से आजादी मिली थी और शायद यही वजह है कि हम इसे महत्वपूर्ण दिन के रूप में मनाते है।

आजादी की लड़ाई लड़ने के बाद हमने बहुत से कीमतियों से भी लड़ाई लड़ी और जीत भी हासिल की परंतु एक ऐसा समय आया, जब कोविड-19 नामक वायरस दुसरे देशों में बहुत तेजी से पैर पसार रहा था और देखते ही देखते इसने हमारे देश में भी दस्तक दी। शुरुआत में तो लोगों और सरकार ने इसे गंभीरता से नही लिया गया और धीरे-धीरे इसने भयावह रूप दिखाया और भारत में बहुत बड़े स्तर पर लोगो को संक्रमित किया और तो हमारे देश की स्वास्थ व्यवस्था की कमर ही तोड़ डाली। हर तरफ तबाही-तबाही थी और मृतकों के आकड़े आसमान छू रहे थे अतः इसे महामारी घोषित कर दिया गया और देश में संपूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया। टुटी-फूटी व्यवस्था के साथ संक्रमितों को संभाला गया और लगभग एक साल बाद इसपर थोड़ा नियंत्रण किया गया। परंतु एक साल बाद हमारी ही लापरवाही के कारण कोरोना ने एक बार फिर से कोहराम मचाया और इस बार के आकड़े और ज्यादा भयावह थे। इस बार हमारी सरकार ने टीकों के साथ इस पर नियंत्रण पाया।

कोविड-19 का प्रभाव हर त्योहार पर दिखा और यह इसने स्वतंत्रता दिवस पर इसने प्रभाव दिखाया। जहाँ इस दिन सभी सरकारी और गैर-सरकारी भवनों को सजाया जाता था और सभी एक जुट तिरंगे को सलामी देते थे। परंतु इस बार का माहौल बिलकुल उल्टा था। क्योंकि हमारा देश बहुत कठिन परिश्रम से गुजर रहा था। एक तरफ देश भक्ति की →

REDMI NOTE 9
RAUSHAN